ऐ मालिक तेरे बन्दे हम ऐसे हो हमारे करम

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम, ऐसे हो हमारे करम,
नेकी पर चले, और बदी से टलें,
ताकि हस्ते हुए निकले दम ।

यह अँधेरा घना छा रहा, तेरा इंसान धबरा रहा ।
हो रहा बेखबर, कुछ ना आता नजार, सुख का सूरज छिपा जा रहा ।
है तेरी रौशनी में जो दम, तू अमावस को कर दे पूनम,
नेकी पर चले, और बदी से टलें, ताकि हस्ते हुए निकले दम ॥

जब जुल्मो का हो सामना, तब तू ही हमे थामना ।
वो बुराई करे, हम भलाई भरे, नहीं बदले की हो कामना ।
बढ उठे प्यार का हर कदम, और मिटे वैर का यह भरम,
नेकी पर चले, और बदी से टलें, ताकि हस्ते हुए निकले दम ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/311/title/e-maalik-tere-bande-hum-aise-ho-hamare-karam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |